भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1172
जिसका उत्तर सोमवार 06 दिसंबर, 2021
15 अग्रहायण, 1943 (शक) को दिया जाना है

टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया को खरीदना

1172. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:
श्री असादुद्दीन ओवैसी:
डॉ. डी. रविकुमार:
एडवोकेट अदूर प्रकाश:
श्री एंटो एंटोनी:
श्री रितेश पाण्डेय:
श्री रवनीत सिंह:
श्री पी. वेलुसामी:
प्रो. सौगत राय:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने एयर इंडिया को टाटा समूह को अंतिम रूप से बेच दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया का अधिग्रहण कब तक किए जाने की संभावना है;

(ख) क्या एयर इंडिया के बिक्री/खरीद समझौते में वित्त मंत्रालय द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों को शामिल किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बकाया राशि सहित परिसंपत्तियों और देनदारियों से जुड़े मसले का समाधान कर लिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा एयर इंडिया की बिक्री से सरकार को कुल कितनी राशि प्राप्त हुई है;

(घ) क्या बहुत सारे सरकारी विभागों/स्वायत्तशासी निकायों के पास ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु एयर इंडिया की बड़ी राशि बकाया है;

(ड.) यदि हां, तो क्या इन बकाया राशियों का निपटान हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) बिक्री के बाद एयर इंडिया के मौजूदा कर्मचारियों का भविष्य क्या होगा और इन कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा कौन से कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. भागवत किशनराव कराड)

(क) से (ग): एयर इंडिया के संचित भारी ऋण के कारण, सरकार ने एयर इंडिया और इसकी अभिज्ञात सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों (एआईएक्सएल में 100% शेयरधारिता और एआईएसएटीएस में 50% शेयरधारिता) के रणनीतिक विनिवेश के लिए उद्यय मूल्य (ईवी) बोली दृष्टिकोण का अनुसरण किया है। ईवी दृष्टिकोण के तहत, बोलीदाताओं को उद्धृत ईवी के आवंटन के लिए संयुक्त ऋण और इक्विटी मूल्य के रूप में विभाजित ऋण के रूप में 85% मूल्य और इक्विटी प्रतिफल के रूप में न्यूनतम 15% को उद्धृत करना था। समस्त कंपनी के लिए रणनीतिक विनिवेश सौदे चल रही कंपनी के आधार किये गए हैं। गैर-महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों के अलावा अन्य परिसंपत्तियां और सौदे से बाहर रखी गई देनदारियों के अलावा अन्य संपत्तियां अधिग्रहणकर्ता के पास बनी रहेंगी। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों की गैर-महत्वपूर्ण परिसंपत्तियां (31 अगस्त, 2021 की स्थिति के अनुसार 14,718 करोड़ रुपये का बही मूल्य) विनिवेश सौदे का हिस्सा नहीं हैं और इन्हें सफल बोलीदाता द्वारा नहीं लिया जाएगा बल्कि भारत सरकार के 100% स्वामित्व वाली एयर इंडिया एसेट होल्डिंग कंपनी (एआईएएचएल), को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। रणनीतिक विनिवेश सौदा एक खुली, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है।

(i) सौदे के पहले चरण में, सात रुचि की अभिव्यक्तियां (ईओआई) प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच ईओआई को पात्रता मानदंड को पूरा न करने के आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया और दो ईओआई को दूसरे चरण के लिए संक्षिप्त सूचिबद्ध किया गया।

(ii) अर्हताप्राप्त इच्छुक बोलीदाताओं (क्यूआईबीस) को वर्चुअल डेटा रूम (वीडीआर) के माध्यम से गोपनीयता वचनबद्धता के तहत सूचना उपलब्ध कराई गई थी, जिन्होंने सौदे के अधीन कंपनियों की परिसंपत्तियों और सुविधाओं का भी निरीक्षण किया था।

(iii) बोलीदाताओं के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) जारी किया गया था। बाद में शेयर खरीद करार (एसपीए) को अंतिम रूप दिया गया और बोली प्रस्तुत करने से पूर्व क्यूआईबीस को जारी किया गया। दीपम के पास रणनीतिक विनिवेश सौदों के लिए सांकेतिक दिशानिर्देशों की एक सूचि है जिसे प्रत्येक विशिष्ट सौदे के लिए उपयुक्त रूप से अनुकूलित किया जाना है। शेयर खरीद करार (एसपीए) इन दिशानिर्देशों पर आधारित है और कई मंचों, अंतर-मंत्रालय दल (आईएमजी), विनिवेश संबंधी सचिवों का प्रमुख दल (सीजीडी) और एयर इंडिया विशिष्ट विकल्प तंत्र (एआईएसएएम) पर विस्तृत अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है।

(iv) सर्वोत्तम बाजार परिपाटियों और मौजूदा दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, सौदा सलाहकार द्वारा किए गए व्यवसाय मूल्यांकन और परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए परिसंपत्ति मूल्यांकन के आधार पर सौदे के लिए आरक्षित मूल्य को 12,906 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था। आरक्षित मूल्य को सीलबंद बोलियों की प्राप्ति के बाद ही निर्धारित किया गया था।

-3/-

(v) प्रतिस्पर्धात्मक और पारदर्शी विनिवेश प्रक्रिया अनुसरण में दो वित्तीय बोलियां प्राप्त हुईं। उच्चतम बोलीदाता मैसर्स टाटा सन्स प्रा. लि. की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मैसर्स टेलेस प्रा. लि. है, ने 18,000 करोड़ रूपये का उद्यम मूल्य उद्धृत किया है जिसमें से 15,300 करोड़ रूपये (उद्धृत ईवी का 85%) का ऋण एआई+एआइएक्सएल के पास बना रहेगा और 2,700 करोड़ रूपये का नकद घटक (उद्धृत ईवी का 15%) है।

(vi) शेयर खरीद करार पर दिनांक 25 अक्टूबर, 2021 को हस्ताक्षर किए गए। एसपीए के अनुसार, सौदे को बंद करने से पहले सफल बोलीदाता, एयर इंडिया और भारत सरकार द्वारा पूर्ववर्ती शर्तों के एक समूह (सीपी) को पूरा करना है।

(vii) सौदे को विशेषज्ञों - सौदा सलाहकार, विधिक सलाहकार और परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता, जिन्हें एक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त किया गया है, से पेशेवर सलाह द्वारा समर्थित किया गया है।

पूर्ववर्ती शर्तों के पूरा होने के बाद सौदे को बंद किया जा सकता है।

(घ) और (ड.): सरकारी विभागों/स्वायत्त निकायों पर दिनांक 30 सितंबर, 2021 की स्थिति के अनुसार एयर इंडिया का 244.78 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें से 30.11.2021 की स्थिति के अनुसार 30.38 करोड़ रुपये वसूल किए जा चुके हैं।

(च): यह बिक्री 'चल रही कंपनी' के आधार पर है और दिनांक 25 अक्तूबर, 2021 को हस्ताक्षरित शेयर खरीद करार जिस पर सहमति बनी थी की शर्तों के अनुसार कर्मचारी, इसके कर्मचारी के रूप में बने रहेंगे। बंदीकरण की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक कर्मचारियों की छंटनी नहीं की जा सकती है। वे बंदीकरण के दूसरे वर्ष में छटनी के मामले में अधिकतम लाभ के साथ स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए पात्र होंगे। कर्मचारी लागू कानून/उद्योग परिपाटी के अनुसार अन्य लाभों जैसे ग्रेच्युटी, भविष्य निधि लाभ, गमन अधिकार के लिए भी पात्र होंगे। कर्मचारियों को बंदीकरण के बाद आवासीय कॉलोनियों में छह माह तक रहने की अनुमति दी गई है। कर्मचारियों के लिए बंदीकरण के बाद ईएसओपी योजना का प्रावधान है। उद्योग की परिपाटी के अनुसार रणनीतिक खरीदार द्वारा मौजूदा कर्मचारियों को चिकित्सा लाभ प्रदान किया जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों (बंदीकरण की तारीख के अनुसार) और पात्र मौजूदा कर्मचारियों (जिन्होंने 55 वर्ष या उससे अधिक की आयु प्राप्त कर ली हो या 20 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो) और उनके जीवनसाथी को सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना सरकार का दायित्व है।

*****